कर्मण vor Kummer gebrochen R. 2,102,9. — Vgl. रेगा und श्रह्मणा. — caus. रार्जेयति (व्हिंसायाम्) Duatup. 33, 129. schlagen: ताभ्यां (बा-क्रभ्यां) वतस्यहरूतत् Buac. P. 10,67,23.

— desid. s. फ्रिनिंग.

- स्रव abbrechen: स्रवहत्य गुत्मान् MBH. 1,5884. वस्रेणीवावहरणानां नगानाम् HARIV. 3365. statt स्रवहत्मम् MBH. 7,1345 liest die ed. Bomb. richtiger स्रवस्थानम्.
- श्रा erbrechen, zerbrechen, abstrechen, zerhauen: दृळ्ला चिंद्राह्में वर्त्तु हिए. 4,31,2. पुरं: 32,10. 8, 62,18. 10,84,1. वलम् Av. 4, 24,2. प्रवृद्धमाह्म्य मक्तिप्ररोह्मम् MBH. 1,7178. 3,423. 11508. 5,3002. 7, 1123. 12,12408 (द्वलेण हाता ed. Bomb.). श्राह्मणानेकविटप प्रक्षांस. Вह्म. S. 19,20. श्राह्मज्यवंतामाणि HARIV. 6961. शृङ्गम् R. 5,98,25. दि. श्रेक्रान्ह्यन्द्र्याम् MBH. 5,4503. पत्ततुण्उनविः गात्राण्याह्मता zerfleischend R. 3,72,20. स्तानाह्मय कर्डीमृंशातीः पर्यदेवयम् HARIV. 5694. श्राह्मंन्व्यान्द्रियः सिन्ध्वेगा नगानिव 13279. धर्म एतानाह्मति यथा नयनुक्तान् (sc. वृतान्) MBH. 5,3433. शत्त्वभातर्पथाह्मणे 7,1631. मम प्राणानाह्मति (वाणाः) 6,5629. शोकः प्राणानाह्मतीव में। नदीतीरह्मान्व्यान्वाह्मियोग मक्तिव ॥ R. Gorr 2,66,62. कशानाह्म sich die Haare व्यान्वाह्मियोग मक्तिव ॥ R. Gorr 2,66,62. कशानाह्म उर्दात पंत्रियः स्वयः व्यान्वाह्मियोग महानिव ॥ R. Gorr 2,66,62. कशानाह्म उर्दात पंत्रम 4297. 4282. विषाणां गारिव मदात्स्वयमाह्मते 55 तमनः MBH. 2,2113. Vgl. श्राह्म
 - समा zerbrechen, abbrechen: वृतं समाहत्य MBB. 4,1082.
- उद् med. sich von einem Schlage erholen (wenn die Lesung richtig ist): यं वे मुक्तं घत्ति न स पुनहदुक्ते Shapv. Br. 3,1. = उत्तिष्ठेत् Comm. Vgl. कूलमुदुज्ञ.
- समुप oder समुपा einhauen auf, hart bedrängen: देवा मर्ख (als belebtes Wesen gedacht) सम्पाहात् HARIV. 12221.
 - परि rings aufbrechen AV. 16,1,2.
- प्र zerbrechen: पुर्र: R.V. 1,51,5. वृष्ट्या 102,4. 5,2,10. श्राम्बन्प्रम् जन्मञ्जन्त्रिम् अधिक प्रमुक्त व्यन्तिपन् MBH. 7,1128. वनस्पतीन् BHÅG. P. 8,2,19. Vgl. प्रमुज
- वि zerbrechen, zerschmettern, zerreissen: वि वृत्रस्यं समयो पाष्पी-रुज्ञ: R.V. 1,56,6. 3,30,16. वि रूज वीर्ड्ड्सं 4,3,14. 6,22,6. रुज्दर्रुगणं वि वलस्य सानुम् 39,2. वि वृत्रं पर्वशो रुज्ञन् 8,6,13. पर्वतं गिरिम् 53, 5. 10,87,25. 152,3. वलम् Аіт. Вв. 6,24. АV. 9,8,13. पर्द्वाष 18. श्रीणी Сат. Вв. 4,5,2,3. श्राएउम् 11,1,6,2. Катл. Св. 22,3,22. तस्य शक्तिं स-रुसा विरुद्ध МВи. 8,4223. धर्मार्एयं विरुज्ञति गज्ञः Сак. 32, v. 1. विरु-जन्दुमान् Vаван. Ввн. S. 32,9. विरुग्ण Виатт. 5,25. 12,75.
- सम् zerbrechen: सं वृत्रेव दासं वृत्रकार्राजम् RV. 10,49,6. म्रश्मसंह-ग्राभीमास्य zerschmettert Rich-Tab. 4,478.
- 2. रूज् (= 1. रूज्) 1) adj. zerbrechend, zerschmetternd: परवीर MBH. 5,2993. 2) f. Schmerz, Krankheit AK. 2,6,2,2,3,4,1,10,26,199. H. 462. HALÀJ. 2,445. ब्राह्मणस्य रूज: कृत्या M. 11,67. योरा रूजस्तीनाः HARIV. 10836. fg. Suça. 1,58,15.70,1. 163,4. 2,2,1. 5,1. KATHÂS. 27,186. BHÂG. P. 1,14,44. VARÂH. BŖH. S. 71,3. 81,30. रूपम्य 24,36. 45,9. 53, 60. RAGH. 19,52. रूजमाद्धाति विपुलाम् Çaut. (BR.) 5. शाल्ये रूजाम् Spr. 775. यदीमामयनेष्यति । रूजम् КАТНÂS. 29,164. नृणां पुरुरूजां रूज स्राष्ट्र रूजिंस BHÂG. P. 2,7,21. रूजां निदानवित् (भिषक्) 6,1,8. मानसी Seelen-

schmerz VIKB. 30. स्रतिशमिष मकर्रकेतुर्मनसी ह्रातमाञ्चल् ad ÇAK. 54. द्युज् Augenschmerzen, Augenkrankheit AK. 3, 4, 5, 29. VARAB. BRB. S. 104, 5. स्रति व ठी, 11. 104, 16. गुरु व 5, 86. स्रुज् Seelenschmerz BBAG. P. 4, 6, 47. मनसिज Liebesschmerz VIKB. 51. उद्गीपतस्मर् BBAG. P. 2, 7, 33. गएउस्वेद्यपनयन हजा MEGB. 27 wohl fehlerhaft für हचा aus Verlangen, in Folge des eifrigen Bemühens. — Vgl. स्र , यस्पाि , नी , नेत्र , पार्स , मस्। , मानस , मुख , शिरा .

1. र्हा (von 1. रहा) 1) adj. zerbrechend in वलं रहा. — 2) f. श्रा Vop. 26, 192. a) Bruch (मङ्ग) Trik. 3,3,87. H. an. 2,74. Med. g. 14. — b) Schmerz AK. 2,6,2,2. Trik. H. 462. 60. H. an. Med. Halâl. 2,445. निपातात्तव शस्त्राणां शरीरे पाभवदुता MBH. 8,1609. रहा: R. 3,43,27. रहाश्च धा-रा: 63,19. ललाटे च रहा हत्ते 29,15. शिर्म: MBH. 3,16816. Sugr. 1,3, 20. 121,10. 2,346,8. 439,17. स्ट्यप्रमाधिनी Mâlav. 37. निर्गार्शिवर्गस्य स्ट्यात् रहाड्यर: Kathâs. 18,83. am Ende eines adj. comp.: उप Sugr. 2,4,18. मन्द्रता 308,19. — c) = कुष्ठ Costus speciosus oder arabicus Râćan. im ÇKDR. — Vgl. श्रुरूत, नीरूज, मन्द्रारूत, शिरारूता, सरूत.

2. रुत्रैं m. von unbekannter Bedeutung in der Stelle: रुत्रश्चे मा वेनश्च मा रुासिष्टाम् AV. 16, 3, 2.

हिंडिस्स, acc. pl. von 2. हिंड् + 1. कर्) adj. Schmerzen bereitend MBH. 3,14144.

- 1. hill Bruch; Schmerz s. u. 1. hil.
- 2. Till f. in der Anrede an den Pfeil (इप) VS. 10, 8.
- 3. hall f. Schafmutter H. 1277.

ন্ত্ৰাক (1. ন্ত্ৰা + 1. কা) 1) adj. (f. §) Schmerzen bereitend Spr. 4863. — 2) m. Krankheit H. 312. — 3) n. die Frucht der Averrhoa Carambola Lin. Çabbak. im ÇKDs.

নুরাपক্ (1. নুরা + শ্ব°) adj. Schmerzen vertreibend Suça. 1,165, 8. নুরাবন্ (von 1. নুরা) adj. schmerzhaft Suça. 2,5,16. 308,11.

रुजार्चिन् (wie eben) ved. adj. P. 5,2,122, Vårtt. 1. wohl schmerzhaft. रुजास्ट m. ein best. Fruchtbaum, = धन्वन Råéan. im ÇKDa.

हर्. राँटते (प्रतिघाते, दी ती। Dairer. 18, 7. राँटैयति (राषे) v. l. für हृष् 32,131. (भाषार्थ, भामार्थ) 33,110.

रुट्, राँठित (उपघाते) Datrup. 9, 51. राँठित (प्रतिघाते) 18, 9, v. l. quälen, peinigen: राठमानस्य वैदेकी मांमार्थे वायसस्य R. 5, 66, 30; vgl. काकेनालाखमाना ताम् 2,103, 39 (काकेनाराध्यमाना ताम् 96, 40 Scal.).

त्यास्करा f. eine Kuh, die sich leicht melken lässt, Çabdak. im ÇKDn. त्या f. N. pr. eines in die Sarasvatt sich ergiessenden Flusses MBH. 3,7022.

रूपट्, रूपटित (स्तेये) Duarup. 9,41.

्र राज्यः, र्हंपठित (गती) Dairup. 9,61. (ख्रालस्ये, प्रांतघाते, खोरे) 58, v. 1. (स्तेये) 41, v. 1.

रूपड्, रूपडिति (स्तेये) Duater. 9,41, v. 1.

रूपड adj. verstümmelt; m. ein verstümmelter Mensch, ein blosser Rumpf (कवन्ध) H. 563. Hån. 137 (neutr.). Halås. 3,8. पृष्ट: स रूपड: पुरुषे प्रयास् । निकृतक्रतचर्गा नद्यां नित्ती प्रस्म शत्रुभि: ॥ Катная. 65,11. तद्वायां तेन रूपडेन रेमे 15. 41. तां सरूपडाम् 40. तां पृष्ठाद्वकरूपड-काम् 32. वेद्यद्विरवभूरिक्एडनिकरे: UTTABAR. 93,12 (121,6).

চূম্ভিকা f. 1) Schlachtfeld. — 2) Liebesbotin. — 3) Thürschwelle Med.